

गन्ने की कोई से अखबारी कागज का तैयार किया जाता

* १०८४. श्री भक्त बर्शन : क्या बाणिज्य तथा उद्योग मंत्री २४ अगस्त, १९५७ के तारांकित प्रश्न संख्या ११३८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गन्ने की कोई से अखबारी कागज तैयार करने के बारे में इटली के विशेषज्ञ दल का विस्तृत प्रतिवेदन इस बीच प्राप्त हो चुका है;

(ख) यदि हां, तो उस प्रतिवेदन की मुख्य सिफारिशें क्या हैं;

(ग) उन सिफारिशों की कार्यान्वित करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है;

(घ) यदि प्रतिवेदन अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है, तो इस असाधारण बिलम्ब के क्या कारण हैं; और

(ङ) वह रिपोर्ट कब तक प्राप्त होने की सम्भावना है ?

बाणिज्य तथा उद्योग उम्मीने (श्री सतीश चन्द्र) : (क) और (ख). अखबारी कागज तैयार करने के बारे में इटली के विशेषज्ञ दल से कोई विस्तृत प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। उस का प्रतिवेदन बास से लुग्दी तैयार करने के बारे में ही है। कुछ भारतीय कच्चे मालों की उस दल ने जो जाच-पड़ताल की थी, उसा के आधार पर यह प्रतिवेदन दिया गया है।

(ग) से (ङ). प्रश्न ही नहीं उठते।

श्री भक्त बर्शन : इस से पहले जर्मनी के विशेषज्ञों ने अपनी कुछ सम्मति दी थी या कुछ प्रणाली बतायी थी, और अब इटली के विशेषज्ञों ने अपनी सम्मति दी है। तो इन दोनों प्रणालियों में से कौन सी कम खर्चीली और अधिक लाभदायक है ?

श्री सतीश चन्द्र : मैं ने अपने जवाब में अर्ज किया कि इटली के विशेषज्ञों ने न्यूजप्रिंट बनाने की कोई रिपोर्ट नहीं दी है। जर्मनी वालों से एक रिपोर्ट मिली है और उन से बातचीत चल रही है। जहा तक इटली की रिपोर्ट का सम्बन्ध है उस को रिपोर्ट न्यूजप्रिंट के बारे में नहीं है, बल्कि रेयन ग्रेड पल्प और दूसरी चीजों के बारे में है।

श्री भक्त बर्शन : क्या मैं जान सकता हू कि इटली के विशेषज्ञों ने जो अपनी नई रिपोर्ट दी है उस के आधार पर कोई कार्यवाही की जायेगी और क्या हमारे देश में कोई नया प्लांट खोला जायेगा ?

श्री सतीश चन्द्र : उन से बात चीत चल रही है। रेयन ग्रेड पल्प बनाने के लिये यह सम्मति थी। उन की रिपोर्ट से यह मालूम होता है कि बांस का इस्तेमाल कर के रेयन ग्रेड पल्प बनाया जा सकता है। बास से पल्प बनाने के कुछ कारखाने देश में हैं, और प्राइवेट पार्टीज से कहा गया है कि अगर वे इस में भी दिलचस्पी रखती हो तो इस फर्म से बातचीत कर सकती हैं।

Shri B. S. Murthy: May I know whether the Italian team has visited the Badrachalam forest area and tested the utility of the bamboo there?

The Minister of Industry (Shri Manubhai Shah): There is a slight misunderstanding. The main question relates to the manufacture of newsprint from bagasse, and as my hon. colleague has said, we are already negotiating with the West German Government and West German parties for setting up a newsprint factory in this country at Shakkarnagar for manufacture of newsprint from bagasse.

Shri B. S. Murthy: The hon. Minister said that the Italian team has submitted a report for producing paper from bamboo. I wanted to know fur-

ther whether that team has tested the Badrachalam bamboo.

Mr. Speaker: No, no. We are on bagasse. Merely because the hon. Member puts a question, must I allow an answer? The supplementary does not arise out of this. Very well, if the hon. Minister is willing to answer, he may.

Shri Manubhai Shah: As far as the Italian team is concerned, there is no question of their visiting many areas. Only, they were asked their technical opinion as to whether bamboos could be used for the manufacture of rayon grade pulp. That report has been received and is under study.

Shri Dasappa: May I know whether the Government have made any survey of the total quantity of bagasse available for conversion into pulp, whether newsprint, ordinary pulp or rayon grade pulp?

Shri Manubhai Shah: This is a very well known detail because every sugar factory produces bagasse, and it is of the order of two to three million tons on dry basis. We are trying to see that bagasse is used for the manufacture of paper and similar products.

श्री भक्त बर्गन : यह जो इटालियन टीम थी इस ने देश के किन किन स्थानों का दौरा किया और आया इन्होंने कोई सिफारिश की है कि कहा पर यह काम अच्छी तरह चल सकता है ?

श्री मनुभाई शाह : यही तो मैं ने जवाब दिया कि जहाँ तक इटालियन टीम का ताल्लुक है उन को जरमन टीम के साथ मिला न दिया जाये क्योंकि जरमन टीम को यह काम दिया गया था कि वह बगस से पेपर बनाने की स्कीम तैयार करें। इटालियन टीम मे तो हमने खाली टेक्निकल प्रोपीनियन मांगी थी कि बांस मे रेयन ग्रेड पल्प बनाया जा सकता है या नहीं। इसलिये उन के दौरे का कोई मबाल नहीं उठता ।

Manufacture of X-Ray Equipments

+

*1085. { Shri S. C. Samanta:
Shri Barman:

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) the steps taken for the manufacture of X-ray equipments in India;

(b) whether it is a fact that a Committee was set up to look into the matter;

(c) if so, the recommendations of the Committee; and

(d) whether any private party in India ventured to manufacture the same?

The Minister of Industry (Shri Manubhai Shah): (a) and (b). A panel was set up by the Government of India to examine the scope for development of manufacture of X-ray equipment in the country, and subsequently, interested firms in India, have been asked to come up with schemes for the manufacture of such equipment.

(c) The Panel submitted its Report to the Government in May, 1957. The recommendations of the Panel are contained in the Statement laid on the Table of the Lok Sabha. [See Appendix IV, annexure No. 20].

(d) Messrs. Radon House, Calcutta, are manufacturing certain types of X-ray equipment by using some imported components such as, X-ray tubes, timbers, high tension cables, fluorescent screens, lead glass and valves.

Shri S. C. Samanta: May I know the number and the names of the manufacturers that are at present functioning in India?

Shri Manubhai Shah: As I said, only one—Messrs. Radon House, Calcutta.

Shri S. C. Samanta: May I know which of the companies are producing the greatest number of parts?